No. of Printed Pages : 8

BPY–005

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP) (PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2024

BPY–005 : INDIAN PHILOSOPHY—II

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the* ***five*** *questions. All questions carry equal marks. Answers to Question Nos.* ***1*** *and* ***2*** *should be in about* ***400*** *words each.*

1. Elucidate the eight-fold path of Yoga system. What is its goal ? 20

Or

Discuss in detail the important aspects of the philosophy of Dr. B. R. Ambedkar. 20

2. Examine the metaphysical categories and the concept of liberation in Dvaita Philosophy. 20

Or

Explain briefly the origin, nature, characteristics and importance of Bhakti Movement. 20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) Examine the Sāṁkhya theory of evolution. 10

   (b) Discuss the important Pramāṇas accepted by Viśistadvaita Philosophy. 10

   (c) Briefly explain the importance of Christian Ashram Movements. 10

   (d) Analyse the important aspects in the philosophy of Nehru. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Elucidate the sources of valid knowledge *or* the six Pramāṇas of Mimāṁsa Philosophy. 5

(b) Discuss the concept of Puruṣa and agruments to prove its existence in the Sāṁkhya system. 5

(c) Briefly explain the concepts of Brahman, Maya and Iśvara in the philosophy of Advaita. 5

(d) Give a brief account of Kashmir Śaivism and Vira Śaivism . 5

(e) Discuss the implications of freedom in the Constitution of India. 5

(f) Examine the importance of Arya Samāj as a nationalistic reform movement. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in **100** words each :

(a) Theories of error or Khyativada 4

(b) Sāmānya or universal according to Vaiśeṣika 4

(c) Cultural and educational rights in Indian Constitution 4

(d) Concept of God in Gandhian thought 4

(e) Female Bhaktas of Bhakti Movement 4

(f) Roots of Sufism 4

(g) Teachings of the Vedānta Sutra 4

(h) Śaivism 4

BPY–005

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम (बी.डी.पी.)

(दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.पी.वाई.–005 : भारतीय दर्शन-II

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न क्रमांक* ***1*** *एवं* ***2*** *के उत्तर लगभग* ***400-400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. योग दर्शन द्वारा दिये गये आष्टांगिक मार्ग की व्याख्या कीजिए। इसका क्या उद्देश्य है ? 20

अथवा

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के दर्शन के महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 20

2. द्वैत दर्शन के तत्त्वमीमांसीय पदार्थों और मोक्ष की अवधारणा का परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

भक्ति आंदोलन की उत्पत्ति, प्रकृति, विशेषताओं और महत्व की व्याख्या कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200–200** शब्दों में दीजिए :

(अ) सांख्य दर्शन के विकास के सिद्धान्त का परीक्षण कीजिए। 10

(ब) विशिष्टाद्वैत दर्शन द्वारा स्वीकार किये गये महत्वपूर्ण प्रमाणों की चर्चा कीजिए। 10

(स) ईसाई आश्रम आंदोलनों के महत्व की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 10

(द) नेहरू के दर्शन के महत्वपूर्ण पहलुओं की चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(अ) मीमांसा दर्शन के प्रामाणिक ज्ञान के साधन **या** छः प्रमाणों के स्रोतों का विवरण दीजिए। 5

(ब) सांख्य दर्शन में पुरुष की अवधारणा और इसके अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए युक्तियों की चर्चा कीजिए। 5

(स) अद्वैत दर्शन में ब्रह्म, माया और ईश्वर के विचार की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

(द) काश्मीर शैव और वीर शैव मत पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

(य) भारतीय संविधान में स्वतंत्रता के निहितार्थों की चर्चा कीजिए। 5

(र) राष्ट्रवादी सुधार आंदोलन के रूप में आर्य समाज के महत्व का परीक्षण कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) त्रुटि सिद्धान्त **अथवा** ख्यातिवाद 4

(ब) वैशेषिक के अनुसार सामान्य 4

(स) भारतीय संविधान में सांस्कृतिक और शिक्षा के अधिकार 4

(द) गांधी के विचार में ईश्वर की अवधारणा 4

(य) भक्ति आंदोलन की नारी भक्त 4

(र) सूफीमत की उत्पत्ति 4

(ल) वेदान्त सूत्र की शिक्षाएँ 4

(व) शैव दर्शन 4

× × × × × × ×